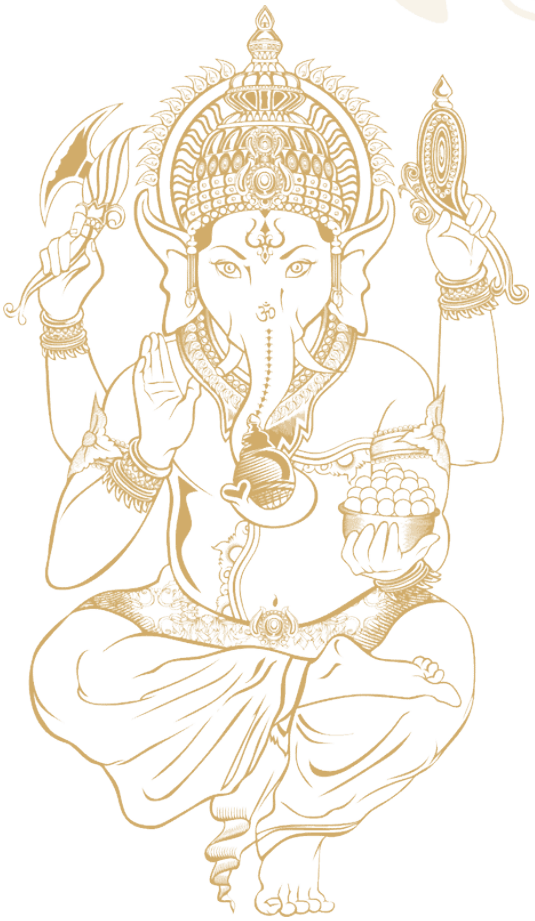

Mr.

14 Apr 2026

10:43 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121927304

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**14/04/2026**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**10:43:00 घंटे**
इष्ट	11:54:28 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:21:52 घंटे
वेलान्तर	-00:00:19 घंटे
साम्पातिक काल	23:51:27 घंटे
सूर्योदय	05:57:12 घंटे
सूर्यास्त	18:46:11 घंटे
दिनमान	12:48:59 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	00:02:53 मेष
लग्न के अंश	16:09:33 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**शतभिषा - 4**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शुक्ल
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	सू-सूरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	16:09:33	317:53:38	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			मेष	00:02:53	00:58:48	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	केतु	उच्च राशि
चंद्र			कुंभ	16:58:39	13:25:55	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	मीन	09:11:49	00:46:36	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मीन	04:29:24	01:22:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	नीच राशि
गुरु			मिथु	22:39:31	00:06:04	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	23:38:08	01:13:23	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	सम राशि
शनि		अ	मीन	12:56:58	00:07:17	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:54:09	00:00:20	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:54:09	00:00:20	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:09:18	00:03:00	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप			मीन	08:27:52	00:02:09	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:10:01	00:00:38	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			मीन	03:26:50	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

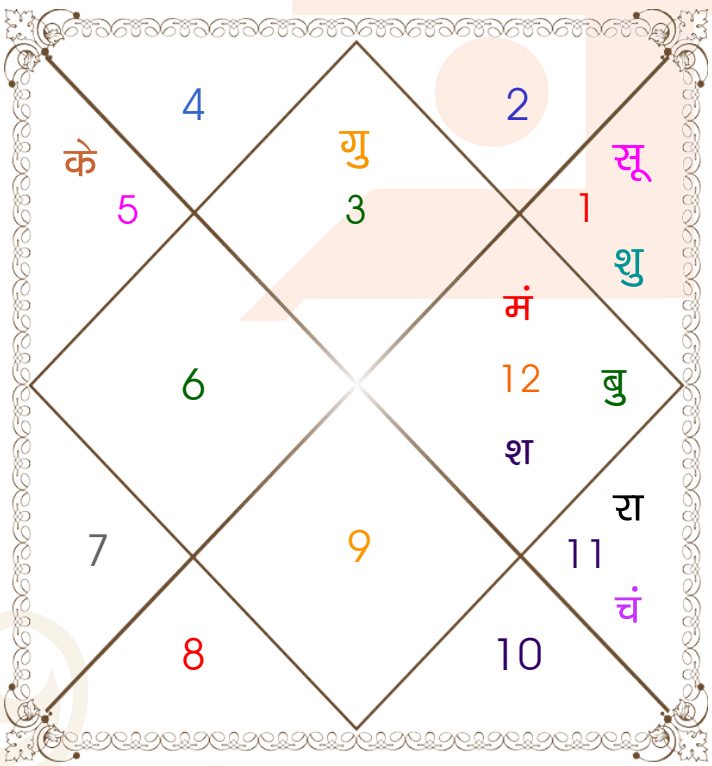

चन्द्र कुंडली

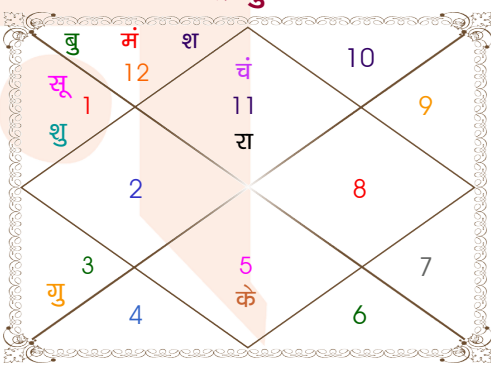

नवमांश कुंडली

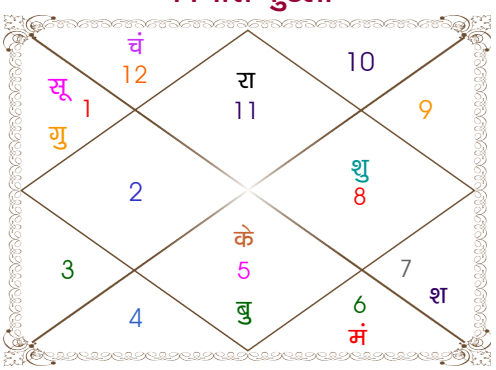

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 4 वर्ष 0 मास 29 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
14/04/2026		13/05/2030		13/05/2046		13/05/2065		13/05/2082	
13/05/2030		13/05/2046		13/05/2065		13/05/2082		13/05/2089	
	00/00/0000	गुरु	01/07/2032	शनि	16/05/2049	बुध	10/10/2067	केतु	09/10/2082
	00/00/0000	शनि	12/01/2035	बुध	24/01/2052	केतु	06/10/2068	शुक्र	10/12/2083
	00/00/0000	बुध	19/04/2037	केतु	04/03/2053	शुक्र	07/08/2071	सूर्य	15/04/2084
	00/00/0000	केतु	26/03/2038	शुक्र	04/05/2056	सूर्य	12/06/2072	चंद्र	14/11/2084
	14/04/2026	शुक्र	24/11/2040	सूर्य	16/04/2057	चंद्र	12/11/2073	मंगल	13/04/2085
शुक्र	30/11/2026	सूर्य	12/09/2041	चंद्र	15/11/2058	मंगल	09/11/2074	राहु	01/05/2086
सूर्य	25/10/2027	चंद्र	12/01/2043	मंगल	25/12/2059	राहु	28/05/2077	गुरु	07/04/2087
चंद्र	25/04/2029	मंगल	19/12/2043	राहु	31/10/2062	गुरु	03/09/2079	शनि	16/05/2088
मंगल	13/05/2030	राहु	13/05/2046	गुरु	13/05/2065	शनि	13/05/2082	बुध	13/05/2089

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
13/05/2089		14/05/2109		15/05/2115		14/05/2125		14/05/2132	
14/05/2109		15/05/2115		14/05/2125		14/05/2132		00/00/0000	
शुक्र	12/09/2092	सूर्य	01/09/2109	चंद्र	14/03/2116	मंगल	10/10/2125	राहु	25/01/2135
सूर्य	12/09/2093	चंद्र	02/03/2110	मंगल	13/10/2116	राहु	29/10/2126	गुरु	20/06/2137
चंद्र	14/05/2095	मंगल	08/07/2110	राहु	14/04/2118	गुरु	05/10/2127	शनि	26/04/2140
मंगल	13/07/2096	राहु	02/06/2111	गुरु	14/08/2119	शनि	12/11/2128	बुध	13/11/2142
राहु	13/07/2099	गुरु	20/03/2112	शनि	14/03/2121	बुध	10/11/2129	केतु	01/12/2143
गुरु	14/03/2102	शनि	02/03/2113	बुध	14/08/2122	केतु	08/04/2130	शुक्र	15/04/2146
शनि	14/05/2105	बुध	06/01/2114	केतु	15/03/2123	शुक्र	08/06/2131		00/00/0000
बुध	14/03/2108	केतु	14/05/2114	शुक्र	12/11/2124	सूर्य	14/10/2131		00/00/0000
केतु	14/05/2109	शुक्र	15/05/2115	सूर्य	14/05/2125	चंद्र	14/05/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 4 वर्ष 0 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।